तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, गुरुवार 9 जुलाई 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

11 हैंडओवर से पहले ही नई स्कूल भवन में दरारें, 24 लाख के निर्माण ...

12 निर्माण कार्यों में देरी और गुणवत्ता से समझौता...

खबर संक्षेप

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नांदघाट। ग्राम नयापारा (करमसेन) की निवासी मीना निषाद पति नरेश निषाद उम्र 50 वर्ष ने अपने घर के रसोई घर में कपड़े की रस्सी से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतिका का पति मूकबधिर है। तीन बेटियो और 1 बेटे जिनकी सबकी शादी हो गई है। घटना के समय मृतिका का परिवार उसके पति के मामा के दशगात्र में दतरेंगा गया हुआ था। जिसकी वजह से बाकी बचे सदस्यों का भोजन उसके देवर के घर में था। जिसकी लड़की मीना को खाने के लिए बुलाने आई लेकिन आवाज लगाने पर भी जवाब नही मिलते पर उसके पिता घर में तलाश करने पर मीना फंदे पर लटकी हुई मिली। परिजनों के अनुसार मृतिका स्वास्थ्यगत कारणों से काफी परेशान थी उसका ईलाज चल रहा था। घटना की सूचना पर पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर शव परिक्षण कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया । सहा उप निरिक्षक मोहन साहु आरक्षक कमलेश ध्रुव मामले की विवेचना कर रहे हैं। शार्ट पीएम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टी हुई है । अन्य बिंदुओं पर जांच जारी है।

आठ दिनों में झमाझम बारिश, जिले में 183.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा। जिले में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। 1 जून से 8 जुलाई 2026 तक की स्थिति में जिले में औसतन 183.1 मिमी (करीब 7.21 इंच) वर्षा दर्ज की गई है। पिछले आठ दिनों के दौरान हुई लगातार बारिश से खेतों में पानी की उपलब्धता बढ़ी है और खरीफ फसलों की बुआई को गति मिली है। संयुक्त जिला कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अब तक थान खम्हरिया तहसील में सर्वाधिक 230.5 मिमी (करीब 9.07 इंच) वर्षा दर्ज की गई है, जबकि नवागढ़ तहसील में सबसे कम 129 मिमी (करीब 5.08 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। अन्य तहसीलों में बेमेतरा में 147.1 मिमी, देवकर में 187.5 मिमी, बेरला में 207.5 मिमी, भिंभौरी में 180 मिमी, साजा में 194.4 मिमी, दाढ़ी में 220.2 मिमी तथा नांदघाट में 151.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश से जिले के तालाब, नाले और जलाशयों में जलस्तर बढ़ने लगा है। वहीं कृषि कार्यों को भी गति मिली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में भी जिले में अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के साथ युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उतई पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम उमरपोटी के पास दबिश देकर भाठापारा ग्राम सेलूद उतई हिमांशु दास मानिकपुरी को पकड़ा गया।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की जान से खिलवाड़! जर्जर भवन में पढ़ाई और भोजन, कभी भी हो सकता है हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थान खमरिया

नगर के आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। नगर में संचालित 11 आंगनबाड़ी केंद्रों में कई अपने भवनों में संचालित हो रहे हैं, जबकि कुछ केंद्र जर्जर भवनों में चल रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक-8 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की बदहाल स्थिति सामने आई, जहां छोटे-छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही दिखाई दी। निरीक्षण में पाया गया कि केंद्र भवन में शौचालय एवं वॉशरूम की सुविधा नहीं है। भवन की दीवारों में सीलन और दरारें पड़ चुकी हैं तथा छत से बारिश का पानी टपक रहा है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद इसी भवन में बच्चों की पढ़ाई, भोजन और अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस भवन में बच्चे बैठकर पढ़ाई करते हैं, उसी परिसर में लकड़ी और छेना (उपलों) से भोजन पकाया जाता है। इससे उठने वाले धुएं के कारण बच्चों को काफी परेशानी होती है, लेकिन इस ओर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान नहीं है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मधु यादव ने बताया कि शौचालय एवं वॉशरूम निर्माण के लिए कई बार सुपरवाइजर को अवगत कराया गया है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए पहले स्वीकृति भी मिली थी, लेकिन बाद में इसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बावजूद विभाग को लगातार इस आवश्यकता से अवगत कराया जा रहा है, क्योंकि छोटे बच्चों के लिए शौचालय की सुविधा अत्यंत आवश्यक है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में शासन द्वारा बच्चों के लिए पोषण आहार, नाश्ता, शिक्षा और खेल सामग्री जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रावधान है, लेकिन भवनों की जर्जर स्थिति इन योजनाओं की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की रिपोर्ट नियमित रूप से विभागीय अधिकारियों के माध्यम से जिला प्रशासन तक पहुंचती है, फिर भी अब तक सुधारात्मक कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग से मांग की है कि जर्जर भवनों की तत्काल मरम्मत अथवा नए भवनों का निर्माण कराया जाए तथा नियमित निरीक्षण कर बच्चों की सुरक्षा और सुविधाओं को सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। आंगनबाड़ी सुपरवाइजर गिरजा सोनी ने बताया कि उनके कार्यक्षेत्र में थान खमरिया एवं ग्रामीण अंचल ▶▶|शेष पेज 10 पर

समस्या : सीजी वीएसके ऐप की तकनीकी खामियों से बढ़ी परेशानी

हाईटेक हाजिरी बनी सिरदर्द, वेतन पर मंडराया संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों और विभागीय अधिकारियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए लागू किया गया सीजी वीएसके ऐप अब जिले के शिक्षकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। डिजिटल व्यवस्था को पारदर्शिता और जवाबदेही का माध्यम बताकर लागू किया गया यह सिस्टम अब तकनीकी खामियों के चलते उल्टा कर्मचारियों के लिए संकट खड़ा करता नजर आ रहा है।

सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि विभागीय स्तर पर ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज होने को वेतन भुगतान से जोड़ने की चर्चा के बाद शिक्षकों में भय और असंतोष का माहौल बन गया है। जिले के अधिकांश स्कूलों में कमजोर इंटरनेट नेटवर्क, जीपीएस लोकेशन की त्रुटि, विद्यालय से दो से तीन किलोमीटर दूर लोकेशन दिखना, चेक-इन और चेक-आउट नहीं होना तथा सर्वर संबंधी समस्याएं रोजमर्रा की परेशानी बन गई हैं। स्थिति यह है कि शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचकर पढ़ाई करा ▶▶|शेष पेज 10 पर

वेतन रोकने की आशंका से शिक्षकों में आक्रोश

निरीक्षण और बैठकों में जाएं तो उपस्थिति कहां लगे?

सबसे बड़ी व्यावहारिक समस्या तब सामने आती है जब किसी शिक्षक या अधिकारी को निरीक्षण, प्रशिक्षण, विभागीय बैठक अथवा अन्य शासकीय कार्य से विद्यालय से बाहर जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में उसकी उपस्थिति किस स्थान पर दर्ज होगी और किस आधार पर उसे उपस्थित माना जाएगा, इसे लेकर विभाग की ओर से अब तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। इससे कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

निजी मोबाइल से सरकारी काम, सुरक्षा पर भी सवाल

शिक्षकों का कहना है कि सरकारी ऐप उनके निजी मोबाइल फोन में संचालित कराया जा रहा है। इन्हीं मोबाइलों में बैंकिंग एप, व्यक्तिगत दस्तावेज, आधार, पैन और अन्य संवेदनशील जानकारियां भी सुरक्षित रहती हैं। ऐसे में यदि किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी या डेटा सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न होती है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

तकनीकी खामी का दंड कर्मचारियों को क्यों?

शिक्षा जगत में अब यह बहस तेज हो गई है कि यदि कोई कर्मचारी समय पर विद्यालय पहुंचकर अपनी पूरी जिम्मेदारी निभा रहा है, लेकिन ऐप की तकनीकी खराबी के कारण उसकी उपस्थिति दर्ज नहीं हो पा रही है, तो इसके लिए उसे जिम्मेदार कैसे ठहराया जा सकता है। कर्मचारियों का कहना है कि तकनीकी खामियों का खामियाजा कर्मचारियों के वेतन पर नहीं पड़ना चाहिए।

वेतन को लेकर बढ़ी चिंता

हाल ही में आए एक विभागीय बयान के बाद यह आशंका और गहरा गई है कि सीजी वीएसके ऐप में उपस्थिति दर्ज नहीं होने पर वेतन भुगतान प्रभावित हो सकता है। इस संभावना ने शिक्षकों और कर्मचारियों की चिंता बढ़ा दी है। उनका कहना है कि यदि सर्वर, नेटवर्क या जीपीएस की समस्या के कारण ऐप काम नहीं करता है तो इसका दंड कर्मचारियों को देना न्यायसंगत नहीं होगा। शिक्षकों का कहना है कि वे डिजिटल व्यवस्था के विरोधी नहीं हैं, लेकिन पहले सिस्टम को पूरी तरह तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाए। जब तक नेटवर्क, जीपीएस और सर्वर संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक उपस्थिति और वेतन को ऐप से जोड़ना कर्मचारियों के हितों के विपरीत होगा। जिले में लगातार सामने आ रही शिकायतों के बीच अब शिक्षा विभाग से स्पष्ट दिशा-निर्देश और तकनीकी समाधान की मांग तेज होती जा रही है।

नाना-नानी पर तवे से जानलेवा हमला, नाती गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले के परपोडी थाना क्षेत्र के ग्राम गाड़ाडीह में खर्चे के लिए पैसे मांगने को लेकर एक युवक ने अपने नाना-नानी पर लोहे के तवे से जानलेवा हमला कर दिया।

- परपोडी पुलिस की त्वरित कार्रवाई, हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

हमले में नानी के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर के मेकाहारा अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम गाड़ाडीह निवासी धनीराम मारकण्डे ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 6 जुलाई की रात करीब 8 बजे उसका भांजा अनिल बारले शराब के नशे में घर पहुंचा और विवाद के दौरान अपने नाना तुलसीराम मारकण्डे व नानी शांति बाई मारकण्डे पर लोहे के तवे से सिर पर प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में शांति बाई के सिर में गंभीर चोट आई और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। घटना की सूचना डायल-112 को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों ▶▶|शेष पेज 10 पर

डीआईजी रामकृष्ण साहू ने थाना साजा और देवरबीजा चौकी का किया आकस्मिक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने मंगलवार देर शाम थाना साजा एवं पुलिस चौकी देवरबीजा का आकस्मिक निरीक्षण कर कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनरल डायरी, ड्यूटी रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों का अवलोकन किया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की सतर्कता और अनुशासन का जायजा लिया।

डीआईजी ने अधिकारियों को रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की नियमित जांच करने, लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग, गुमशुदगी तथा वारंटों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीले पदार्थों के कारोबार तथा असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि थानों में आने वाले पीड़ितों की शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि पुलिस की सकारात्मक छवि बनी रहे। साथ ही समयबद्ध मामलों में 60 से 90 दिनों के भीतर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने, तलाशी व जब्ती की कार्रवाई के दौरान फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी अनिवार्य करने और नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। डीआईजी ने कम्यूनिटी पुलिसिंग, विजिबल पुलिसिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, सड़क सुरक्षा, गोवंश तस्करी पर नियंत्रण, साइबर प्रहरी अभियान, त्रिनयन एप और सशक्त एप के प्रभावी उपयोग पर भी बल दिया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक रोशन लाल टोन्डे सहित थाना साजा एवं पुलिस चौकी देवरबीजा का पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

- रात्रि गश्त बढ़ाने, अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों की शिकायतों का संवेदनशीलता से निराकरण करने पर दिया जोर

स्थायी जाति प्रमाण पत्र निर्माण के लिए विकासखंडवार विशेष शिविरों का आयोजन

बेमेतरा। जिले में अध्ययनरत कक्षा पहली से 12वीं तक के ऐसे विद्यार्थियों, जिनका स्थायी जाति प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बन पाया है, उनकी सुविधा एवं भविष्य में छात्रवृत्ति, प्रवेश, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विकासखंडवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र के साथ-साथ आवश्यकतानुसार निवास एवं आय प्रमाण पत्र भी बनाए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड नवागढ़ में 04 जुलाई 2026 से 31 तक, विकासखंड साजा में 08 जुलाई 2026 से 17 जुलाई तक, विकासखंड ▶▶|शेष पेज 10 पर

महावीर कॉलोनी में नाली का घटिया निर्माण

मानकों में कमी मिलने पर ठेकेदारों को कड़ी फटकार सुधार नहीं होने पर काम रोकने व ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड 38 बैद्यनाथ पारा स्थित महावीर कॉलोनी क्षेत्र में लगभग 15-15 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन दो नाली निर्माण के दौरान घटिया काम किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद रामचंद्र सेन, अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों के साथ स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह गड़बड़ी सामने आई। महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गहराई, चौड़ाई तथा उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री का बारीकी से परीक्षण कराया। स्थानीय नागरिकों द्वारा नाली निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किए जाने की शिकायत पर उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली तथा निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए। देव नारायण चन्द्राकर ने स्वयं टेप से नालियों की नाप-जोख कराया। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं ठेकेदारों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए राजीव झा तथा संबंधित ठेकेदारों को सख्त फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि निर्माण कार्य में तत्काल सुधार नहीं किया गया तो कार्य रोकने के साथ-साथ संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

गुणवत्ता पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं, कार्रवाई के निर्देश

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा कराए जा रहे प्रत्येक विकास कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन की मंशा के अनुरूप किसी भी निर्माण कार्य में लापरवाही, अनियमितता या मानकों से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता अथवा गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को ठेकेदार राजीव झा एवं मनीष सोनी और राहुल सिंह के विरुद्ध आवश्यक जांच के लिए सैंपल लेकर लैब भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद जिस फर्म के द्वारा गलत कार्य किया जा रहा पाया जाएगा। ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए।

निष्पक्ष जांच के बाद दोष सिद्ध होने पर ब्लैक लिस्टेड होगी एजेंसी

महापौर ने साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी निर्माण कार्य में बरती जा रही कथित अनियमितताओं से महापौर को अवगत कराया। महापौर ने सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान पार्षद रामचंद्र सेन, पार्षद रंजीता पाटिल, पार्षद सुरूचि उमरे, पार्षद सावित्री दमाहे,ललिता ठाकुर, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, उप अभियंता मोहित मरकाम सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

चिकित्सा परामर्श शिविर में लोग हुए लाभान्वित

भिलाई। गुरु घासीदास सेवा समिति सतनाम भवन सेक्टर-6 भिलाई के तत्वावधान में सर्व समाज के जरूरत मंद लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा और परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। महासचिव एन आर गिलहरे ने बताया कि निःशुल्क चिकित्सा परामर्श सेवाएं देने डॉ. जीवन लाल घीड़ले पेट, लीवर रोग विशेषज्ञ सेवानिवृत बीएसपी हॉस्पिटल सेक्टर -9, डॉ. एडी बनर्जी छाती रोग विशेषज्ञ सेवानिवृत बीएसपी हॉस्पिटल सेक्टर-9, डॉ. संगीता पात्रे प्रसूति, स्त्री रोग, निः संतानता विशेषज्ञ तथा डॉ. रितु कुर्रे चर्म रोग विशेषज्ञ मौजूद थे।

वृद्ध लापता, अपहरण की आशंका, थाने में शिकायत

भिलाई। घर ने बिना बताए निकले 79 वर्षीय रसीद अचानक लापता हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक वे फलक नुमा मस्जिद, जुनवानी रोड के पास स्थित अपने घर से रसीद निकले थे। अब तक अपने घर नहीं पहुंच पाए है। परिजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वे शर्ट एवं पैंट पहने, हाथ में पीले रंग का थैला है। अपहरण की आशंका बनी हुई है। बहरहाल पुलिस मामले में पतासाजी कर रही है। बुजुर्ग के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

पावर हाउस फल मंडी में गंदगी का अंबार

भिलाई। पावर हाउस फल मंडी में कचरों की भरमार है, जिससे गंदगी व बदबू का वातावरण है। कोई सुध नहीं ले रहा, इतनी गंदगी और बदबू आ रही है। सूर्य नगर बस्ती में सड़े-गले फल को फेंक दिया जाता है। निगम में कई बार बस्ती के लोगों ने अपनी समस्या को बताया उसके बाद भी उसका समाधान नहीं निकला फल मंडी वाले फल को पूरा वहीं फेंक देते हैं, जिससे फल सड़ जाता है। पूरा बदबू से वहां के रहवासी परेशान है। निगम के अधिकारियों ने इसकी सुध नहीं ले रहा है।

हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी पोर्टल में प्रवेश के लिए पहला चरण पूर्ण

160 कॉलेजों में 51 हजार सीटों के लिए अब तक 49 हजार आवेदन, बीए में 4,258 आवेदन ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से संबद्ध करीब 160 सरकारी कॉलेजो में प्रवेश के पहले चरण में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में आवेदन किए हैं। सत्र 2026-27 के लिए उपलब्ध 51,149 सीटों के मुकाबले 49,171 आवेदन प्राप्त हुए हैं। खास बात यह है कि पिछले साल यानी वर्ष 2025-26 में प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के बाद 10 हजार से ज्यादा सीटें खाली रह गई थी। इस बार विद्यार्थियों को एक साथ 10 कॉलेजों तक विकल्प चुनने की सुविधा दी गई थी, इसलिए आवेदन ज्यादा हुए हैं। वहीं यूनिवर्सिटी ने मोबाइल के माध्यम से भी प्रवेश आवेदन फार्म भरवाएं हैं।

बीए में 17080 सीटों के लिए 21338 आवेदन

सबसे ज्यादा प्रवेश के लिए मारामारी की स्थिति बीए (बैचलर ऑफ आर्ट्स) में है। बीए की 17,080 सीटों के लिए 21,338 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यानी सीटों से 4,258 अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन फार्म भरा है। जिसकी वजह से प्रवेश के लिए मारामारी की स्थिति बन गई है।

एक साथ 10 कॉलेज चुनने की दी गई थी सुविधा

फैक्ट फाइल

संबद्ध कॉलेज :	160
कुल सीटें :	51,149
कुल आवेदन :	49,171
सबसे अधिक आवेदन :	बीए (21,338)
सबसे कम आवेदन :	डीसीए (227)

बीएससी में 16 हजार आवेदन

बीएससी प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए भी इस बार विद्यार्थियों की दिलचस्पी अच्छी है। हालांकि सीटों से कम आवेदन आए हैं लेकिन पिछले साल से ज्यादा आवेदन हुए हैं। बीएससी में 18,170 सीटों के मुकाबले 16,338 आवेदन आए हैं। जिसमें दुर्ग भिलाई के नामी कॉलेजों के लिए अधिक आवेदन किए गए हैं। मसलन शासकीय कन्या महाविद्यालय, शासकीय कॉलेज वैशालीनगर, शासकीय कॉलेज भिलाई तीन आदि शामिल हैं।

बीकॉम में इस बार 9578 आवेदन

बीकॉम प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए 12,659 सीटों के लिए आवेदन मंगवाए गए। इन सीटों के मुकाबले 9,578 आवेदन आए हैं। यानी 3081 सीटें अभी भी खाली है। कामर्स संकाय में दाखिले के लिए पिछले साल ज्यादा विद्यार्थियों ने फार्म भरे थे। इस बार शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, शासकीय महाविद्यालय धमधा, शासकीय महा विद्यालय उतई, शासकीय महाविद्यालय भिलाई तीन, शासकीय महाविद्यालय पाटन आदि में कामर्स संकाय में आवेदन ज्यादा हुए हैं।

होम साइंस , डीसीए और बीबीए कोर्स में सबसे कम आवेदन

हेमचंद यूनिवर्सिटी ने बीबीए की 1,020 सीटों में प्रवेश के लिए आवेदन मंगवाए थे। इस कोर्स को करने के लिए विद्यार्थियों में दिलचस्पी आधी रह गई है। केवल 527 आवेदन प्राप्त हुए हैं। डीसीए (डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन) में 1,475 सीटें है लेकिन महज 227 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। वहीं बीएससी (होम साइंस) की 270 सीटों के लिए सबसे कम 93 आवेदन जमा हुए हैं।

पीजी साइंस में प्रवेश के लिए 1457 आवेदन

कॉलेजों में एमएससी प्रवेश के लिए भी विद्यार्थियों से आवेदन मंगवाए गए हैं। जिसमें एमएससी जूलॉजी विषय के लिए 417 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। एमएससी बॉटनी पढ़ने के लिए 373 और एमएससी केमिस्ट्री कोर्स करने के लिए 328 विद्यार्थियों के आवेदन फार्म मिले हैं। इस तरह कुल पीजी साइंस प्रवेश के लिए कुल 1457 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

15 जुलाई तक ले सकते हैं प्रवेश

यूनिवर्सिटी ने पहले चरण का सभी कॉलेजों में मेरिट सूची जारी कर दी है। मेरिट सूची के आधार पर विद्यार्थियों को 15 जुलाई तक प्रवेश लेने के लिए मौका मिलेगा। उसके बाद जो विद्यार्थी प्रवेश नहीं लेंगे उनकी सीटों पर प्रवेश के लिए दूसरा चरण 16 से 26 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन मंगवाए जाएंगे।

बीए में सबसे ज्यादा 17080 सीटें

पाठ्यक्रम	सीटें	आवेदन
बीए	17,080	21,338
बीएससी	18,170	16,338
बीकॉम	12,659	9,578
बीसीए	1,475	1,070
बीबीए	1,020	527
डीसीए	1,475	227

संपत्तिकर सर्वे अभियान शुरू, बीएसपी क्षेत्र के भवनों का होगा नया नाप-जोख

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई ने संपत्तिकर निर्धारण और कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का व्यापक परिमाप (सर्वे) अभियान शुरू कर दिया गया है। इस अभियान की शुरुआत सेक्टर-6 स्थित एम.जी.एम. स्कूल के पास सड़क एवेन्यू-ए में बने भवनों के माप-जोख से की गई। निगम की टीम प्रत्येक भवन का वास्तविक क्षेत्रफल, निर्माण की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विवरण दर्ज कर संपत्तिकर निर्धारण के लिए आधार तैयार कर रही है। निगम प्रशासन का कहना है कि इस सर्वे का उद्देश्य संपत्तिकर निर्धारण में पारदर्शिता लाना, वास्तविक निर्माण के अनुसार कर निर्धारण करना तथा राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। आने वाले दिनों में बीएसपी क्षेत्र के अन्य सेक्टरों में भी यह अभियान चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। सर्वे कार्य के दौरान निगम के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, सहायक राजस्व निरीक्षक प्रहलाद लहरे तथा राजस्व अमला गणित बघेल, टेकराम हरिन्द्रवार और प्रकाश महलवार मौजूद रहे। निगम की टीम ने मौके पर भवनों का माप लेकर आवश्यक अभिलेख तैयार किए।

शराब भट्टी मामले में आप कार्यकर्ताओं को मिली जमानत

भिलाई। खुर्सीपार के वार्ड 51 शिवाजी नगर में सरकारी शराब दुकान खोले जाने के विरोध में हुए 13 दिवसीय विरोध प्रदर्शन के मामले में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सहित अन्य को जमानत मिल गई। न्यायालय ने जसप्रीत को 3 हजार के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि शिवाजी नगर के रहवासी इलाके में खोली जा रही शराब भट्टी के विरोध में स्थानीय महिलाओं ने मोर्चा खोला था।

जसप्रीत सिंह विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। जसप्रीत ने कहा कि नाकामी छिपाने के लिए सरकार ने बदले की भावना से उर्मिला, अनीता नायक, अमजद अली, सागर राम चंद्राकर, सरिता सिंह, तिलक कुमार, शंकर लाल और पिंकी शर्मा समेत अन्य पर एफआईआर किया गया था।

गनियारी पहुंचे मंत्री गजेन्द्र, तीजन बाई के श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर परिजनों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज प्रसिद्ध पंडवानी गायिका दिवंगत डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों से भेंट कर संबल बंधाया और 14 जुलाई को होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा की।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर स्व. तीजन बाई के ग्राम गनियारी में आयोजित होने वाले दशगात्र एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर परिवारजनों से चर्चा किये। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिवंगत तीजन बाई के प्रसंशक और कला जगत से आने लोगों के लिए बैठक और भोजन व्यवस्था सहित सभी कार्यक्रम गरिमापूर्ण औ सुव्यवस्थित ढंग से

■ गरिमापूर्ण कार्यक्रम के लिए प्रशासन के साथ की बैठक

आयोजित हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की उनके परिवारजनों से जानकारी ली । श्री यादव ने परिजनों को आश्वासन दिया की शासन हर संभव सहयोग के लिए दिवंगत तीजन बाई के परिजनों के साथ है। इस अवसर पर भिलाई तीन- चरौदा के महापौर निर्मल कोसरे, गनियारी के नागरिकों, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

तीजन को बीएसपी ने दी श्रद्धांजलि

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय पंडवानी गायिका और सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारी पद्म विभूषणतीजन बाई की स्मृति में इस्पात भवन के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय लोकसंस्कृति एवं पंडवानी परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में उनके योगदान को स्मरण किया। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी अमूल्य प्रियदर्शी, जीएम संजय द्विवेदी सहित क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं, संपर्क, प्रशासन एवं पीआर के कर्मी अधिकारी उपस्थित थे। पवन कुमार ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि तीजन बाई ने विशिष्ट पंडवानी शैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनका निधन भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार के लिए भी अपूरणीय क्षति है।श्री प्रियदर्शी ने कहा कि तीजन बाई का संपूर्ण जीवन कला-साधना, संघर्ष और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया।

धमकी देने के मामले में दो दोषी करार, न्यायालय ने सुनाई सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शहर के कारोबारी और सर्व समाज कल्याण समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू को जान से मारने की धमकी देने के मामले में दुर्ग कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायालय ने 2 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 1-1 साल साधारण कारावास और 500-500 जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं देने पर 10 दिन की अतिरिक्त जेल होगी। मिली जानकारी जानकारी के मुताबिक दोषी करार दिए गए आरोपी हैं राजेश कुमार गुप्ता और समाजसेवी स्व. मंगा सिंह के बेटे सतबीर सिंह उर्फ सोनू है। कुछ साल पहले 3 जनवरी को इंद्रजीत सिंह

■ 500 जुर्माना, नहीं दिया तो 10 दिन अतिरिक्त सजा

छोटू की हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी, हथखोज भिलाई के ऑफिस में पंजीयन डाक से सफेद लिफाफा आया था। लिफाफे के अंदर धमकी भरा पत्र था जिसमें उल्लेख था कि छोटू क्यों इतना दुशमनी पाल रहा है। पूरे शहर से दुर्ग से रायपुर तक तेरे पीछे आदमी लग गए हैं। तुझे मारने के लिए आदमी बाहर से आ गए हैं। इतना पैसा क्या करेगा। पत्र मिलने के बाद इंद्रजीत सिंह छोटू ने तत्काल भिलाई तीन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने धारा 506, 507 के तहत अज्ञात के अपराध दर्ज किया। जांच शुरू करने के बाद पता चला कि धमकी भरा पत्र सेक्टर-2 पोस्ट ऑफिस से भेजी गई थी।

न्यायालय ने कहा

सजा के बिंदु पर सुनवाई में आरोपियों के वकील ने पहला अपराध बताकर परिवीक्षा या सिर्फ जुर्माने की मांग की। लेकिन अभियोजन ने कड़ी सजा की मांग की। न्यायालय ने कहा कि धारा 507 ए में धमकी के साथ 2 साल तक की सजा का प्रावधान है। अपराध की गंभीरता और लंबे समय से लंबित प्रकरण को देखते हुए कोर्ट ने दोनों को धारा 506 में 6 माह 500 जुर्माना धारा 507 में 6 माह साधारण कारावास कुल 1 साल जेल और 500 अर्थदंड की सजा सुनाई। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि जुर्माना जमा न करने पर 10 दिन अतिरिक्त जेल होगी। सजा वारंट तैयार कर दोनों को केन्द्रीय जेल दुर्ग भेजा जाएगा।

चतुर्थ वेतन संशोधन समिति के गठन में विलंब, खामियाजा भुगत रहे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

चौथे वेतन पुनरीक्षण समिति में लेटलतीफी की कीमत सेल सहित देश के लाखों अधिकारियों को चुकानी पड़ रही है। इसे देखते हुए एनसीओए ने लोक उद्यम (डीपीई) चौथे वेतन पुनरीक्षण समिति के जल्द गठन और वहनीयता की शर्त को खत्म करने और लंबित पीआरपी के जल्द भुगतान की मांग की है। सचिव ने आश्वस्त किया है।

एनसीओए के अध्यक्ष एमएल अडसुल, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, चेयरमैन वीके तोमर तथा सेफी के उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के सचिव के मोसेस चलई से दिल्ली में मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि वर्तमान में सभी

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अत्यंत प्रतिस्पर्धी एवं गतिशील वातावरण में कार्य कर रहे हैं, जहाँ उन्हें घरेलू एवं वैश्विक निजी क्षेत्र की कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। ये उद्यम राष्ट्र निर्माण, अधोसंरचना विकास, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल विस्तार तथा अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।इसलिए । लेकिन चौथे पीआरसी गठन में विलंब से नुकसान हो रहा है। 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होने वाली चौथी वेतन पुनरीक्षण समिति का गठन अभी तक नहीं किया गया है। एनसीओए ने मांग की कि समिति के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए।

क्योंकि तृतीय वेतन संशोधन समिति का गठन 9 जून 2016 को किया गया था तथा केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा 3 अगस्त 2017 को वेतन संशोधन आदेश जारी किए गए, जो 1 जनवरी 2017 से प्रभावी थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वेतन पुनरीक्षण समितियों का समय पर गठन एवं क्रियान्वयन सीपीएसई के अधिकारियों के वेतन, भत्तों तथा अन्य सेवा लाभों के संशोधन के माध्यम से उनका मनोबल बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की ...

सहित कुल 24 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। वह प्रत्येक माह नियमित रूप से सभी केंद्रों का निरीक्षण करती हैं तथा जहां भी किसी प्रकार की कमी या समस्या सामने आती है, उसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भेजकर आवश्यक कार्रवाई के लिए ध्यान आकर्षित किया जाता है।

हाईटेक हाजिरी ...

रहे हैं, लेकिन ऐप उनकी उपस्थिति दर्ज ही नहीं कर पा रहा है। ऐसे में नियमित रूप से ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के सामने भी अनुपस्थित माने जाने का खतरा पैदा हो गया है। जानकारी के अनुसार यह समस्या केवल शिक्षकों तक सीमित नहीं है। सीएसी, बीआरसी, संकुल समन्वयक, निरीक्षण करने वाले अधिकारी तथा प्रशिक्षण एवं विभागीय बैठकों में शामिल होने वाले अधिकारी भी ऐप की तकनीकी दिक्कतों से जूझ रहे हैं। कई बार अधिकारी कार्यालय या प्रशिक्षण स्थल पर रहते हैं, लेकिन ऐप उन्हें निर्धारित स्थान से बाहर बताकर उपस्थिति स्वीकार नहीं करता।

मैदानी जिम्मेदारी निभाएं या ऐप चलाएं ?: शिक्षकों का कहना है कि विभाग एक ओर कक्षा में

पेज 9 के शेष

लगभग हर शासकीय कार्य मोबाइल ऐप के माध्यम से कराया जा रहा है। उपस्थिति दर्ज करने से लेकर विभिन्न जानकारियां अपलोड करने, रिपोर्ट भरने और ऑनलाइन एंट्री करने में शिक्षकों का काफी समय खर्च हो रहा है। इससे शिक्षण कार्य भी प्रभावित होने लगा है।

नाना-नानी पर तवे ...

घायलों को परपोडी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रायपुर रेफर कर दिया गया। मामले में हत्या के प्रयास का अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी अनिल बारले (26) को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में उसने खर्चे के लिए पैसे मांगने को लेकर नाना-नानी पर हमला करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 7 जुलाई को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामले की जांच में एसएफएल टीम का भी सहयोग लिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सत्यप्रकाश उपाध्याय, उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम कुलार्य, प्रधान आरक्षक येमन बघेल, आरक्षक रमेश चंद्रवंशी, शिव यादव सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्थायी जाति प्रमाण पत्र ..

बेरला में 11 जुलाई से 25 जुलाई तक तथा विकासखंड बेमेतरा में 11 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के आयोजन की स्थलवार एवं तिथिवार जानकारी जिले के सभी विद्यालयों को पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई है। इन शिविरों में विद्यार्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण कर नियमानुसार आवेदन स्वीकार किए जाएंगे, जिससे उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और समयबद्ध रूप से प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सके। इस संबंध में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल प्राचार्यों, संबंधित राजस्व अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थल पर प्रातः 10:00 बजे से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर विद्यार्थियों के जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सुचारु एवं समयबद्ध ढंग से संपादित करना सुनिश्चित करें।

खबर संक्षेप

देशी शराब के साथ पकड़ा गया आरोपी

भिलाई। अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रायपुर बायपास रोड अहिवारा स्थित चाय-नाश्ता ठेला में दबिश देकर वार्ड 1 अहिवारा निवासी . मनोज साहू उर्फ मोनू साहू को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने 45 पौवा देशी मदिरा मसाला शराब जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 4500 रुपए आंकी गई है।

नशीली दवाओं के साथ तीन आरोपी पकड़े गए

भिलाई। सूखा नशा का अवैध कारोबार करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नेहरू नगर फ्लाईओवर के नीचे अमन खान उर्फ अमन रक्सेल,अमर साहू, पंकज उर्फ भक्का विश्वकर्मा को पकड़ा गया। इनके पास से 840 नग अल्प्राजोलम नशीली टैबलेट, मोबाइल फोन, नगदी रकम जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है। आरोपियों के पासे से 56 स्ट्रिप (कुल 840 नग) अल्प्राजोलम 0.5 एम.जी. नशीली टैबलेट, तीन मोबाइल, नगद 1600 रुपए मिला। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि प्रतिबंधित मादक पदार्थों एवं नशीली दवाइयों के कारोबार की सूचना पुलिस को दें। समाज को नशामुक्त बनाने में नागरिकों का सहयोग महत्वपूर्ण है।

दस जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

भिलाई। जुआ खेल रहे दस जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर स्टील नगर कैम्प-1 स्थित ए. सरस्वती के मकान, सत्य साई होटल के पास, चंद्रकला उर्फ बुच्ची,कृष्णा देवी ताश खेल रहे थे। सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और दबिश देकर कैम्प-1, सड़क नं. 18 निवासी महेश कुमार, , कैम्प 1 सुरेन्द्र प्रसाद, आर. राजु राव, सड़क 18 कैम्प 1 राजेश सोनी, पी. तरुण, के. प्रवीण कुमार, मदर टेरेसा नगर भुजंग राव, सड़क नं. 18, कैम्प-1 मोहम्मद आजाद, चंद्रकला उर्फ बुच्ची, कृष्णा देवी को पकड़ा गया। जुआरियों के पास से पुलिस ने नगदी 44 हजार 100 और 9 मोबाइल जब्त किया गया।

मरका प्राथमिक शाला के भवन की गुणवत्ता पर ग्रामीणों में नाराजगी

हैंडओवर से पहले ही नई स्कूल भवन में दरारें, 24 लाख के निर्माण पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

जिले के ग्राम मरका में लगभग 24 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए शासकीय प्राथमिक शाला के नवीन भवन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीण यांत्रिकी विभाग (आरईएस) द्वारा निर्मित इस भवन का अभी तक विभाग को हैंडओवर भी नहीं किया गया है, लेकिन इससे पहले ही भवन की दीवारों में जगह-जगह दरारें दिखाई देने लगी हैं। निर्माण पूरा होने के साथ ही सामने आई इन खामियों ने विभागीय कार्यप्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस भवन में नौनिहालों का भविष्य संवरना है, वह शुरू से ही कमजोर नजर आ रहा है। ऐसे में भवन की मजबूती और बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये के सरकारी विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

ग्रामीणों के अनुसार भवन निर्माण के दौरान विभागीय इंजीनियरों द्वारा नियमित निरीक्षण, भौतिक सत्यापन और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच किए जाने के दावे किए जाते हैं। इसके बावजूद भवन के हैंडओवर से पहले ही दीवारों में दरारें पड़ जाना इस बात का संकेत है कि कहीं न कहीं निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही बरती गई है। इससे विभागीय निगरानी व्यवस्था की भी पोल खुलती नजर आ रही है।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि यदि शुरुआत में ही भवन में इस तरह की खामियां सामने आ रही हैं तो भविष्य में यह बच्चों के लिए खतरा बन सकता है। उनका कहना है कि भवन का उपयोग शुरू होने से पहले उसकी मजबूती की पूरी तरह जांच कराई जानी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका न रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की निष्पक्ष जांच की मांग

भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू ने मामले को गंभीर बताते हुए संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक विशेषज्ञों की जांच में भवन पूरी तरह सुरक्षित और मानकों के अनुरूप प्रमाणित नहीं हो जाता, तब तक उसका हैंडओवर नहीं किया जाना चाहिए। यदि जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। **स्वतंत्र तकनीकी टीम से जांच कराने की मांग:** ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र तकनीकी टीम से कराई जाए, ताकि निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। साथ ही सरकारी राशि के सही उपयोग और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही भी तय हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, जिससे लोगों का भरोसा कायम रह सके। फिलहाल इस पूरे मामले में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग या संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि विभाग शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच कराता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई करता है।

एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशी बीजों की प्रदर्शनी, जैव विविधता संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

शासकीय हाई स्कूल नरी में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत देशी बीजों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। विद्यालय के जागृति इको क्लब के सदस्यों ने व्याख्याता दुर्गा प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन में विलुप्त होती देशी प्रजातियों के बीजों का प्रदर्शन कर उनके संरक्षण का संदेश दिया। प्रदर्शनी में सीताफल, लाल चंदन, श्वेत चंदन, खेखसी, ज्योतिषमति, कैट, पीला देशी पपीता, पारिजात, बेल, चिरपोटी टमाटर, देशी सेमी, देशी करेला, अंडी तथा दैनिक भास्कर द्वारा उपलब्ध कराए गए अश्वगंधा के संरक्षित बीज आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि आगामी दिनों में इन बीजों सहित बड़ी संख्या में फलदार, छायादार और औषधीय पौधों का शाला परिसर में रोपण किया जाएगा।

विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार झा ने आयोजन को विलुप्त होती देशी प्रजातियों के फल, औषधीय पौधों और सब्जियों के संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल बताते हुए इको क्लब के विद्यार्थियों और प्रभारी शिक्षक की सराहना की। कार्यक्रम में व्याख्याता संजय वर्मा, उर्वशी साहू, श्रद्धा तिवारी, चौवन सिंह साहू सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वार्ड 15 में जलजमाव की समस्या का हुआ समाधान, नया रास्ता बनने से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

नगर पंचायत कुसमी के वार्ड क्रमांक 15 में हर वर्ष बारिश के दौरान सड़क और गलियों में जलभराव होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कीचड़ और पानी भरने के कारण आम नागरिकों के साथ किसानों को खेतों तक पहुंचने में कठिनाई होती थी, वहीं बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता था। वार्ड की इस लंबे समय से चली आ रही समस्या को देखते हुए पार्षद यामिनी डुनाल साहू ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामला उठाकर शीघ्र समाधान की मांग की। उनके लगातार प्रयासों के बाद नगर पंचायत प्रशासन ने प्रभावित स्थान पर नए रास्ते का निर्माण कराया। रास्ता बनने से अब बारिश का पानी आसानी से निकासी हो सकेगा, जिससे जलजमाव की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी। इसके साथ ही वार्डवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और जलभराव के कारण फैलने वाली बीमारियों की आशंका भी कम होगी। नए रास्ते के निर्माण से वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों ने पार्षद यामिनी डुनाल साहू की पहल की सराहना करते हुए कहा कि वर्षों से लंबित समस्या का समाधान होने से पूरे वार्ड को बड़ी राहत मिली है।

डायल-112 को और प्रभावी बनाने दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी डायल-112 एक नंबर सब्बो बर परियोजना के तहत बेमेतरा में आयोजित दो दिवसीय तकनीकी

- **त्वरित रिस्पॉन्स और बेहतर समन्वय से आमजन को मिलेगी समय पर पुलिस सहायता : डीआईजी रामकृष्ण साहू**

प्रशिक्षण कार्यशाला बुधवार को संपन्न हो गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला नियंत्रण केंद्र (डीसीसी) और इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ईआरवी) में स्थापित आधुनिक उपकरणों के प्रभावी संचालन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना था।

समापन अवसर पर रामकृष्ण साहू ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डायल-112 सेवा आम नागरिकों को तकनीक आधारित त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आपातकालीन कॉल पर तत्काल कार्रवाई, रिस्पॉन्स टाइम में सुधार, घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचने और पीड़ितों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कार्यशाला में रायपुर की सी-डैक प्रशिक्षण टीम के वरिष्ठ इंजीनियर विनोद, नेटवर्क इंजीनियर संकला केडिया तथा विजन प्लस के गोविंद तंवर ने आधुनिक संचार उपकरणों, तकनीकी प्रक्रियाओं, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और समन्वय संबंधी विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण में बेमेतरा, मुंगेली और बलौदाबाजार जिलों के डायल-112 के नोडल अधिकारी, उप पुलिस अधीक्षक, रक्षित निरीक्षक, डीसीसी प्रभारी एवं स्टाफ, ईआरवी स्टाफ, थाना स्टाफ तथा हाईवे पेट्रोलिंग स्टाफ ने भाग लिया। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने कहा कि नवीन तकनीक से सुसज्जित ईआरवी वाहनों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों में लोगों को तेजी से सहायता मिल सकेगी। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पुलिस सहायता व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

उन्होंने ड्यूटी के दौरान सतर्कता, जिम्मेदारी और बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में बेमेतरा पुलिस ने प्रशिक्षण देने के लिए रायपुर से आई सी-डैक प्रशिक्षण टीम का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी भूषण एक्का सहित बेमेतरा, मुंगेली और बलौदाबाजार जिले के डायल-112 सेवा से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राजीव लोचन बने छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष, नवागढ़ क्षेत्र में हर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवागढ़

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के धनगांव निवासी प्रसिद्ध संत राजीव लोचन महाराज को छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पूरे नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। विशेषकर सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों एवं विप्र बंधुओं ने इस नियुक्ति को क्षेत्र और समाज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए महाराज श्री को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

- **नियुक्ति से गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति को मिलेगा नया बल**

सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव विकास धर दीवान ने कहा कि राजीव लोचन महाराज का जीवन सेवा, साधना और संस्कारों के प्रति समर्पित रहा है। उनकी नियुक्ति से न केवल गौ सेवा आयोग को नई ऊर्जा मिलेगी, बल्कि समाज में गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति के प्रति जनजागरण भी और प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए यह अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है कि इसी क्षेत्र के संत को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने कहा कि राजीव लोचन महाराज वर्षों से गौ सेवा, सनातन संस्कृति, धार्मिक जागरण, सामाजिक समरसता एवं भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण के लिए सतत कार्य करते आ रहे हैं। ऐसे संत व्यक्तित्व को राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जाना उनकी सेवाओं का सम्मान है तथा इससे प्रदेश में गौ संरक्षण एवं संस्कृति संवर्धन के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। इस

अवसर पर राकेश तिवारी, विनोद तिवारी, जितेंद्र तिवारी, प्रवीण दत्त दुबे, रामनारायण पाठक, अजय तिवारी, अनिल त्रिपाठी, दीपक तिवारी, शिवम तिवारी, राजेश धर दीवान, सुदीप शर्मा, कृपाशंकर त्रिपाठी, अभिषेक पाठक, श्रीकांत शर्मा, सृजन दीवान, बंशीधर दीवान, रितेश शर्मा, रितेश तिवारी, राजेंद्र मिश्रा, रोशन धर दीवान, रितेश मिश्रा, दीपक चौबे, प्रफुल्ल तिवारी, दुर्गेश शर्मा, दिव्यम शुक्ला, राजकुमार मिश्रा, रविन्द्र शर्मा, डॉ. तोषण दुबे, पूर्णानंद तिवारी, प्रणय दीवान, देवेंद्र शर्मा, दीपक मिश्रा, शरद दीवान, श्रवण चौबे, सिद्धांत तिवारी, अभिषेक दीवान, कान्हा तिवारी, अभिजीत पाठक, केके मिश्रा, शिवनारायण पाठक, कमलेश दीवान, रूपेश दीवान, सुंदरम पाठक, राघवेन्द्र झा, अजय मिश्रा, शिवशंकर तिवारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महाराज को शुभकामनाएं दीं।

पंचायत कठिया की गलियों में कीचड़ से त्रस्त ग्रामीण, सालों से नहीं हुआ समाधान

बेरला। जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत कठिया के कई वार्डों में जलजमाव और कीचड़ की समस्या सालों से बनी हुई है। मानसून आते ही यहां की गलियां दलदल ही नहीं, बल्कि गंदगी व बदबू में तब्दील हो जाती है। इससे वार्ड वासियों के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई। आय दिनों बीमारी व जहरीली कीड़े मकौड़े जीव का खतरा हमेशा बना हुआ है। इस तरह गन्दे पानी की जमाव होने से गली में चलना मुश्किल हो गए है। स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गली में घुटनों तक कीचड़ की जमाव और गंदी बदबूदार दुर्गंध के कारण आवागमन बाधित हो रहे है। उक्त समस्या नाली और मुरुमीकरण नहीं होने के कारण बारिश का पानी रुक जाता है। स्थानीय लोगों ने कहा कि दोपहिया वाहन फिसल रहे हैं और पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। साथ ही थोड़ी सी बारिश में ही पूरे गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट जाता है।

नाली सफाई और मुरुम की मांग

ग्रामीणों ने जनपद पंचायत बेरला के सीईओ और सरपंच-सचिव से मांग की है कि तत्काल नालियों की सफाई कराई जाए और वार्डों में मुरुम डलवाकर अस्थायी राहत दी जाए। साथ ही स्थायी समाधान के लिए सीसी रोड और पक्की नाली का निर्माण कराया जाए।

जनसेवक रविन्द्र भास्कर चौबे ने कहना है कि हर चुनाव में वादे होते हैं, लेकिन बरसात आते ही वही कीचड़ और वही परेशानी वापस लौट आती है। ग्राम पंचायत कठिया में इस समस्या को लेकर लगातार बड़ी सवाल खड़ा हो रहे है। शासन प्रशासन के अनुसार 2025-26 में हुए बजट की राशियों का आखिर पंचायत कहां खर्च कर रहे है। जिससे लोगों के मूलभूत समस्या का समाधान नहीं हो रहा।

सहकारिता भारतीय चिंतन का आधुनिक स्वरूप है

सहकारिता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सशक्त, किसानों की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता : महंत सौरभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष महंत सौरभ शर्मा से धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने राज्य सहकारिता कार्यालय में सौजन्य भेंट की,इस दौरान बेमेतरा जिले में सहकारी संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने, किसानों की सहभागिता बढ़ाने तथा सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में दोनों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सहकारिता केवल एक संस्था नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, कृषि उन्नति और सामाजिक समृद्धि का प्रभावी माध्यम है,यदि किसानों की अधिक से अधिक भागीदारी सहकारी संस्थाओं में सुनिश्चित की जाए तो आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया मॉडल विकसित किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष महंत सौरभ शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

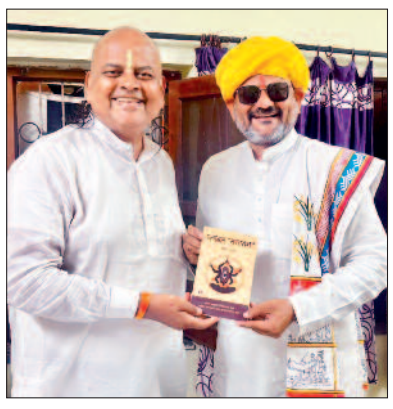

के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता को गांव-गांव तक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है,सहकारी संस्थाएं किसानों को केवल आर्थिक सुरक्षा ही नहीं देतीं, बल्कि उन्हें संगठित होकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि बेमेतरा जैसे कृषि प्रधान जिले में सहकारिता की अपार संभावनाएं हैं और किसानों की सक्रिय भागीदारी से इसे आर्थिक समृद्धि के बड़े आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा का मूल भाव ही सहयोग और सहभागिता रहा है,सहकारिता उसी भारतीय चिंतन का आधुनिक स्वरूप है,उन्होंने कहा कि यदि गांवों में मजबूत सहकारी संस्थाएं विकसित हों, तो किसान उत्पादन से लेकर विपणन तक अधिक सशक्त बनेंगे, युवाओं को रोजगार मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर बनेगी। उन्होंने बेमेतरा जिले में सहकारिता को जनआंदोलन का रूप देने तथा किसानों को जागरूक करने के लिए सामाजिक संगठनों की सक्रिय भूमिका पर भी बल दिया। भेंट के दौरान डॉ. सौरव निर्वाणी ने महंत सौरभ शर्मा को अपनी पुस्तक "ग्लोबल सनातन" भेंट कर उनका अभिनंदन किया,दोनों ने सहकारिता, सामाजिक समरसता और ग्रामीण विकास के लिए भविष्य में समन्वय के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

खबर संक्षेप

म्यूल बैंक खाता मामले में दस गिरफ्तार

भिलाई। म्यूल बैंक खाता मामले में पुलिस ने दस लोगों को गिरफ्तार किया है। दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि जिसमें नूतन चौक, भिलाई तीन निवासी मोदित कुमार जैन,पांच रास्ता, सुपेला करण टंडन,सेक्टर एच, खुर्सीपार अवध किशोर, खुर्सीपार संकेत कुमार दास, प्रेमलाल कौशिक, ललित कुमार, दुर्गा मंदिर, खुर्सीपार रविन्द्र कौशिक, जवाहर नगर, जामुल शहबाज आलम,वृंदा नगर, सुपेला ए. सागर, गांधी कॉलोनी, सुपेला प्रीति कौर को पकड़ा गया है।

मैराथन समीक्षा बैठक में स्कूल, सड़क, पुल, आंगनबाड़ी व स्वास्थ्य भवनों की प्रगति परखी

निर्माण कार्यों में देरी और गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं, कलेक्टर ने अफसरों को दी सख्त चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति को लेकर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने बुधवार को अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों की मैराथन समीक्षा बैठक ली। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने विभागवार निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति का बारीकी से परीक्षण करते हुए स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में देरी और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेतु निगम, हाउसिंग बोर्ड और नगर निगम सहित अन्य निर्माण एजेंसियों के अधिकारी एवं ठेकेदारों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।कलेक्टर ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क, पुल-पुलिया, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र तथा अमृत सरोवर योजना के तहत चल रहे कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। जिन कार्यों की गति धीमी मिली, उनमें तेजी लाने के निर्देश देते हुए संबंधित एजेंसियों को चेतावनी दी। कलेक्टर ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कार्यपालन अभियंताओं को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करने तथा थर्ड पार्टी गुणवत्ता परीक्षण अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग या स्वीकृत एस्टीमेट से विचलन पाया गया तो संबंधित ठेकेदार के साथ जिम्मेदार अधिकारी पर भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गुणवत्ता प्रमाणन के बाद ही भुगतान करने के निर्देश दिए।

■ लापरवाही पर कार्रवाई और गुणवत्ता प्रमाणन के बाद ही भुगतान के निर्देश

उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष के लंबित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने, मानसून को देखते हुए सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों में विशेष ध्यान देने तथा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। सभी विभागों को प्रत्येक सप्ताह निर्माण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट फोटोग्राफ सहित जिला कार्यालय भेजने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन हर 15 दिन में समीक्षा करेगा और लापरवाही मिलने पर संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता पद्माकर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सतलुज (पंजाब 95) पर प्रतिबंध हटाने की मांग, सीबीएफसी अध्यक्ष को भेजा पत्र

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के जिला अध्यक्ष हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से फिल्म 'सतलुज (पंजाब '95)' के प्रदर्शन की अनुमति देने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक विषयों पर बनी फिल्मों को जनता तक पहुंचने से रोकना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इतिहास जानने के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय है। पत्र में उन्होंने कहा कि यह फिल्म केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मानवाधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले स्वर्गीय सरदार जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और उनके कार्यों पर आधारित है। ऐसे ऐतिहासिक विषय पर बनी फिल्म के प्रदर्शन पर रोक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इतिहास को जानने के अधिकार से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। राजा छाबड़ा ने कहा कि सिक्ख समाज का देश की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐतिहासिक विषयों पर आधारित फिल्मों को जनता तक पहुंचने देना आवश्यक है, ताकि लोग तथ्यों को जान सकें और अपनी स्वतंत्र राय बना सकें।

उन्होंने सीबीएफसी से आग्रह किया कि फिल्म पर लगाए गए प्रतिबंध पर निष्पक्ष एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए पुनर्विचार किया जाए तथा भारत में इसके प्रदर्शन की अनुमति दी जाए। इससे आमजन को ऐतिहासिक घटनाओं और उनसे जुड़े तथ्यों को जानने का अवसर मिलेगा। पत्र के अंत में हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड इस मामले में लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक भावना के अनुरूप उचित निर्णय लेगा।

बारिश थमते ही सड़कों पर मवेशियों का कब्जा, बढ़ा हादसों का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में बारिश थमने के साथ ही शहर और आस पास की सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमघट एक बार फिर दिखाई देने लगा है। नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और शहर की मुख्य सड़कों के बीचोंबीच दर्जनों की संख्या में बैठे गौवंश राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। स्थिति ऐसी है कि हर दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, बावजूद इसके मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए कोई प्रभावी अभियान नजर नहीं आ रहा है। बारिश के बाद मौसम में ठंडक आने और दिनभर वाहनों की आवाजाही से सड़कों के गर्म रहने के कारण मवेशी बड़ी संख्या में सड़क पर बैठ जाते हैं। दिन के मुकाबले रात के समय यह स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। अंधेरे में सड़क पर बैठे मवेशी दूर से दिखाई नहीं देते, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक अचानक उनके सामने आ जाते हैं। कई मामलों में लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं, जबकि मवेशियों की भी दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है। शहर के सिंघोरी मार्ग, नया बस स्टैंड, पिकरी, कोबिया, कॉलेज मार्ग, कृषि उपज मंडी, महामाया चौक, नवीन बाजार सहित कई प्रमुख स्थानों पर सड़क के बीच बैठे मवेशियों का नजारा आम हो गया है। व्यस्त मार्गों पर इनका जमावड़ा यातायात व्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। वाहन चालकों को बार-बार गति धीमी करनी पड़ती है, जिससे जाम जैसी स्थिति भी बन जाती है।

■ नेशनल हाईवे से लेकर शहर की प्रमुख सड़कों पर बैठ रहे दर्जनों गौवंश, कार्रवाई नहीं होने से लोगों में चिंता

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका के पास आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए काऊ कैचर वाहन उपलब्ध है, लेकिन लंबे समय से कोई विशेष अभियान संचालित नहीं किया गया है। इसी कारण शहर की सड़कों पर मवेशियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते नियमित अभियान नहीं चलाया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। नागरिकों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि सड़कों पर बैठे आवारा मवेशियों को तत्काल पकड़कर सुरक्षित गौठानों या गौशालाओं में पहुंचाया जाए। साथ ही मवेशियों को खुले में छोड़ने वाले पशुपालकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

डीएमएफ से प्राथमिक शाला में बनेगा अतिरिक्त कक्ष, 16.27 लाख की मंजूरी

बेमेतरा। जिले के ग्रामीण विद्यालयों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में जिला प्रशासन ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विकासखंड नवागढ़ के ग्राम पंचायत मनोधरपुर (मेहना) स्थित प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) निधि से 16 लाख 27 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

कलेक्टर एवं जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) की प्रबंधकारिणी समिति की अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने इस निर्माण कार्य को मंजूरी दी है। अतिरिक्त कक्ष बनने से विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त अध्ययन कक्ष उपलब्ध होंगे, जिससे पढ़ाई का वातावरण बेहतर होगा और बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप शैक्षणिक व्यवस्थाएं सुदृढ़ हो सकेंगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप तय समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा कार्य की नियमित मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर माहौल तैयार करना प्राथमिकता है। स्वीकृति के बाद शिक्षा विभाग आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराएगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है।

कोटा स्टडी सर्किल ब्रांच भिलाई तथा रायपुर में ड्रापर नीट, जेईई एवं पी.ई.टी. के अंतिम बैचेस में प्रवेश प्रारंभ

IIT-JEE Mains/ Advance Star Performers

NEET Star Performers

कोटा स्टडी सर्किल भारत सरकार के द्वारा रजिस्टर्ड एवं आइसो सर्टिफाइड तथा राजस्थान से संबंधित एक उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान है। जहां विगत 17 वर्षों से नीट तथा जी ई ई के परीक्षाओं की तैयारी कोटा ट्रेंड एवं एवं बहुत ही अनुभवी टीम द्वारा फिजिक्स केमिस्ट्री बायोलॉजी एवं मैथ्स विषय की तैयारी गहनता से कराई जाती है। परिणाम स्वरूप यहां के छात्र अपनी अलग पहचान बनाते हैं । चाहे वह बोर्ड परीक्षाएं हो अथवा नीट एवं जीईई , कोटा स्टडी सर्किल ने विगत 17 वर्षों में राष्ट्र को होनहार डॉक्टर एवं इंजीनियर दिए हैं जो देश-विदेश में अपनी सेवाएं देकर अपने गुरुजन माता-पिता तथा संस्थान का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। कोटा स्टडी सर्किल की विशेषता है कि यहां हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही माध्यम के छात्रों के लिए समान सुविधा उपलब्ध होती हैं। यहां का स्टडी मेटरियल तथा ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज इतना अच्छा होता है कि 100% परसेंट क्वेश्चंस आने की संभावना होती है। क्योंकि इस तरह डिजाइन किया जाता है कि अगर क्वेश्चन पेपर बनाने वाला एग्जामिनर किसी भी तरह एंगल से क्वेश्चन पूछे तो वह बन जाए, यहां समय-समय पर आत्मआकलन करने के लिए नीट तथा जीईई बेस्ड मॉक टेस्ट कराए जाते हैं। जिसका छात्रों को फायदा होता है तथा ऐसे छात्र एवं छात्राएं जो कि घर अथवा हॉस्टल में पढ़ाई का माहौल न होने के कारण डिस्टर्ब रहते हैं उनके लिए कोटा स्टडीज सर्कल में एक बेहतरीन लाइब्रेरी उनके पढ़ने के लिए व्यवस्थित की गई है। तथा डीपी पी की प्रैक्टिस कक्षा में ही कर दी जाती है।

जिससे कि वह आने वाले क्वेश्चंस के लिए पहले से तैयार रहते हैं। एवं समय रहते खुद को प्रिपेयर कर पाते हैं। कोटा स्टडी सर्किल की विशेषता है कि यहां क्लास में क्लास के साथ-साथ ही डीपीपी के थ्रू छात्रों को आने वाली परीक्षाओं की पहले से तैयारी कराई जाती है। कोटा स्टडी सर्किल में बाहर से आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए गर्ल्स तथा बॉयज के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल तथा रहने के साथ-साथ मैस की सुविधा का भी ध्यान रखा जाता है। यहां फीस भी बहुत ही उचित ली जाती है जिससे कि पेरेंट्स के ऊपर कोई अतिरिक्त वर्णन ना आए।

यहां पर आपको माहौल देखने को मिलेगा की आपका बच्चा भिलाई अथवा रायपुर पढ़कर ही राजस्थान कोटा अथवा दिल्ली में स्थित सारी सुविधाओं को छत्तीसगढ़ के भिलाई तथा रायपुर में रहकर प्राप्त कर रहा है।

कोटा स्टडी सर्किल में ड्रॉपर बैजेस 12 तथा 15 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहे हैं। जहां प्रत्येक बैच में लिमिटेड सीट रखी गई है।

पलक रायपुर में आरसी कॉलेज के सामने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बाजू में कोटा स्टडी सर्किल तथा भिलाई में न्यू सिविक सेंटर कोटा स्टडी सर्किल में आकर संपर्क कर सकते हैं।

TM Registration No. 3091296
ISO CERTIFIED 9001 : 2008 CERTIFIED INSTITUTE
KOTA STUDY CIRCLE®
Where we shape the career

नीट तथा JEE के पृथक-पृथक बैच, हिन्दी तथा अंग्रेजी के पृथक-पृथक बैच
कोटा स्टडी मटेरियल ऑल इण्डिया टेस्ट सीरिज गर्ल्स तथा ब्वायस के पृथक-पृथक बैच

X & XII Result

कोटा रायपुर ब्रांच : R.K.C. कालेज के सामने, जी.ई.रोड रायपुर
कोटा भिलाई ब्रांच : बि. नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
Contact : 90985 34927, 79877 91795

अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण द्वारा 10वीं, 12वीं एवं स्नातक छात्राओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत एफएसडीएमआई भिलाई मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धत् कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी आफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (डीआरडीओ), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है।

संस्था एफएसडीएमआई भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकलो प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएना प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (एससी, एसटी, ओबीसी, जनरल) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी।

रोजगार हेतु व्यवसायिक प्रशिक्षण कम शुल्क में संपूर्ण तकनीकी शिक्षा

एस. एम. उमक

बेरोजगारों के उज्जवल भविष्य के लिए अल्प समय में रोजगारोन्मुखी व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु पावर हाउस भिलाई में स्थित 39 वर्ष पुरानी इंदु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट एक अति विश्वसनीय संस्था है। जो आईएसओ 9001-2015 से प्रमाणित है। जहां प्रेक्टिकल आधारित कोर्स कराये जाते हैं। अतः प्रशिक्षण के बाद प्रेक्टिस करने की आवश्यकता नहीं होती है जिनका लाभ लेते हुए प्रतिवर्ष सैकड़ों बेरोजगार अपने पैरों पर खड़े होकर समाज और परिवार में सम्मान हासिल कर रहे हैं। संस्था छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करती है साथ ही इनकी नौकरी हेतु भी प्रयास करती है। संस्था में समय-समय पर तकनीकी कंपनियां तथा प्लेसमेंट एजेंसी जॉब हेतु संपर्क स्थापित करती है। इस तरह छात्रों को नौकरी भी प्राप्त हो जाती है संस्था में मोबाईल हार्डवेयर/ सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रीकल, फ्रिज-एसी, इन सभी विषयों का प्रेक्टिकल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। इंदु टेक्निकल इंस्टीट्यूट एकमात्र संस्था है जो तकनीकी प्रशिक्षण में कम्प्यूटर के आधुनिक एनीमेशन का उपयोग करती है इससे कोर्स सरलता से छात्र-छात्राओं की समझ में आ जाते हैं चूंकि सभी कोर्स प्रेक्टिकल आधारित है तथा प्रत्येक छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत प्रेक्टिकल दिया जाता है अत: शैक्षणिक योग्यता का कोई मापदंड नहीं है किसी भी स्तर के छात्र-छात्राएं इन कोर्सेस को सरलता से पूर्ण कर सकते है। यदि छात्र-छात्राएं निश्चित अवधि में कोर्स पूर्ण नहीं कर पाते है और उन्हें अतिरिक्त समय भी लगता है तो अतिरिक्त समय हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता अर्थात छात्र जब तक संतुष्ट नहीं हो जाता तब तक बिना अतिरिक्त शुल्क लिए कोर्स कराया जाता है। इसके अतिरिक्त भविष्य में छात्र-छात्राओं को कोर्स से संबंधित समस्या आने पर वह नि:शुल्क परामर्श ले सकते है। संस्था द्वारा कोर्स के पश्चात भी तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाता है सभी कोर्स सरल हिन्दी में कराए जाते हैं प्रशिक्षण अवधि में छात्रों को प्रेक्टिकल हेतु संपूर्ण सामग्री टूल्स एवं मटेरियल संस्था द्वारा दिया जाता है जिससे पालक पर ट्यूशन फीस के अतिरिक्त कोई बोझ नहीं होता। फीस के बारे में कहा जा सकता है कि जेब खर्च के बराबर फीस अर्थात् अत्यंत कम शुल्क में ये कोर्स कराये जाते हैं। संस्था में प्रेक्टिकल से भरपूर प्रशिक्षण का लाभ लेने के लिए यहां संपूर्ण छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश, हिमांचल प्रदेश, उड़ीसा आदि के साथ-साथ नेपाल से भी छात्र आते हैं। बाहरी छात्रों हेतु संस्था का छात्रावास है संस्था पावर हाउस बस स्टैंड एवं पावर हाउस रेलवे स्टेशन से अत्यधिक नजदीक होने से रायपुर, तिल्दा नेवरा, भाटापारा, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, दल्ली राजहरा रेल लाईन तक के प्रशिक्षणार्थी अप-डाउन कर कोर्स करते हैं। संस्था अपने सभी तकनीकी कोर्स पार्ट-टाईम अथवा फुलटाईम में संचालित करती है। जिससे नौकरी करने वाले शिफ्ट के अनुसार समय परिवर्तित कर प्रशिक्षण ले सकते है। प्रतिदिन 1.30 घंटे का समय देकर भी कोर्स किए जा सकते हैं। इस सेंट्रली एयर कुल्ड संस्था में प्रत्येक लैब में लगे कैमरों से संचालक द्वारा आडियो-विडियो मॉनिटरिंग की जाती है। इस तरह संस्था सभी दृष्टि से छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण हेतु दृढ़ संकल्पित एवं प्रयासरत है। जिसका लाभ उठाते हुए छात्र-छात्राएं कम फीस में भरपूर प्रेक्टिकल का लाभ लेते हुए आत्मनिर्भर हो सकते है एवं सबसे बड़ी बेरोजगारी की समस्या से निजात पा सकते है। नोट: महिलाओं हेतु विशेष व्यवस्था। संस्था में आने हेतु भिलाई पावर हाऊस के बस स्टैंड या पावर हाऊस स्टेशन पर उतरना होगा। संस्था की संपूर्ण जानकारी हेतु फोन करें।

(NGO सामाजिक संस्थाएं यदि युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाना चाहतें है तो संस्था उन्हें विशेष छूट और सहयोग प्रदान करती है।)

समय का सदुपयोग-आय का साधन-प्रशिक्षण जो रोजगार दिलाए

मोबाईल सर्विसिंग कोर्स
कोर्स में हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर में इलेक्ट्रानिक्स कम्पोनेट, कम्प्युटर ऑपरेटिंग, एंटी वायरस, सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन, टच स्क्रिन व एन्ड्राइड मोबाईल, अनलॉकिंग, फ्लेशिंग, कार्ड राइटिंग, ब्लू-टूथ मोबाईल ओपनिंग-फिटिंग, सोल्डरिंग-डिसोल्डरिंग, बॉल आई.सी., प्लाटिंग एवं फॉल्ट फाईडिंग करवाई जायेगी।

कम्प्यूटर हार्डवेयर
महानगरी स्तर की शिक्षा कम शुल्क में
कोर्स में लेपटॉप, डेस्क टॉप प्रिंटर, मॉनीटर, स्कैनर, SMPS पावर सप्लाई रिपेयरिंग, बेसिक इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर असेम्बिलिंग एवं ट्रबलशूटिंग भी। भरपूर प्रेक्टिकल कम्प्यूटर से एनीमेशन द्वारा विशेष जानकारी।

इलेक्ट्रिकल कोर्स
वायरिंग, मोटर रिवाइंडिंग (1/2 से 27 एच.पी. तक) एवं घरेलु उपकरण वाशिंग मशीन मिक्सी, गिजर, कूलर, पंखे, लाईट, डेकोरेशन, जेट पंप, मोनो ब्लॉक पंपसेट, सबमर्सिबल पंप, टूल्लु पंप, मोटर स्टार्टर, पेनल बोर्ड, वेल्डिंग ट्रांसफार्मर आदि का गारंटेड प्रशिक्षण।

इलेक्ट्रानिक्स कोर्स
एच.एम. रेडियो, इंडक्शन चुल्हा, एलईडी, एलसीडी एवं सीआरटी टीवी पर प्रेक्टिकल आडियो, विडियो एमपी-3 सीडी प्लेयर, डीवीडी, होम थियेटर, डी.टी.एच., सिस्टम, इन्वर्टर का गारंटेड प्रशिक्षण।

फ्रीज व एसी कोर्स
फ्रिज (फ्रास्ट फ्री एवं नान फ्रास्ट), विंडो एसी, स्प्लीट एसी, ऑटो मोबाइल (कार) एसी, पैकेज (डक्टिंग) एसी, डीप फ्रीजर, चिल्ड वाटर सिस्टम, बॉटल कूलर, मिठाई के शोकेस का पूर्ण प्रेक्टिकल, गैस चार्जिंग सामान्य एवं आधुनिक गैस चार्जिंग स्टेशन दोनों पद्धतियों से।

छात्रावास सुविधा | स्थापना वर्ष 1987 | रविवार अवकाश

हमारी संस्था की कोई अन्य शाखा नहीं है।
www.indutechnical.com
मो.: 98271 94279
8770222654 74156 74157
पर संपर्क किया जा सकता है।

इन्दु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट
टी-मार्केट, पावर हाउस, भिलाई मो.: 98271-94279, 74156-74157